Rajkiya Mahavidyalaya Amori(Champawat)

Email: gdcamori@gmail.com Website: www.gdcamori.in

ई0डी0पी0 प्रशिक्षण कार्यक्रम –रिर्पोट–8th, दिनांक 27–02–2024

दिनांक 27–02–2024 को महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 12 दिवसीय ई0डी0पी0 प्रशिक्षण कार्यक्रम के क्रम में महाविद्यालय में आठवें दिवस कार्यक्रम का प्रारम्भ प्राचार्य डॉ0 अजिता दीक्षित की अध्यक्षता में प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम का प्रारम्भ रश्मि भट्ट, भावना, मंजू, सविता, हंसा भट्ट के द्वारा फीडबैक से हुआ। फीडबैक के क्रम में ई0डी0पी0 प्रशिक्षु बालकृष्ण भट्ट ने डेरी प्रोडक्ट व मशरूम के उत्पादन पर अपने अनुभव से लोगो को उत्साहित किया। ओम प्रकाश जोशी ने 7 दिन का फीडबैक बताया। प्रदीप जोशी जो स्वयं भी प्राध्यापक है तथा ई0डी0पी0 प्रशिक्षु भी है, ने स्वामी विवेकानन्द के पथ पर चलने तथा दर्शन के माध्यम से उद्यमी बनने की बात की। प्रशिक्षु बबिता ने सभी प्रशिक्षकों व उनके द्वारा दिये गये प्रशिक्षण कार्य व महाविद्यालय स्टाफ की प्रशंसा करते हुए बताया कि प्रत्येक दिवस उद्यमशील बनने के विषय पर दिया जा रहा व्याख्यान हम सभी के जीवन में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। बबिता के अनुसार,'' मायूस मत होना जिन्दगी से, किसी भी वक्त तेरा नाम बन सकता है। अगर दिल में हो आग और हौशलें हो बुलन्द तो अखबार बेचने वाला भी कलाम बन सकता है।। जैसे कोट्स से सभी को उर्जा से ओत प्रोत किया। प्रशिक्षु अमित ने अपने आर्मी तैयारी के अनुभव साझा किये और कहा कि प्रशिक्षण कार्य के माध्यम से यह ज्ञात हुआ कि जॉब के अवसर अनेक है बस हमे अपने मन से काम करना चाहिए। प्रशिक्षु पूजा व नीमा गोस्वामी ने पूरे 7 दिवस का फीडबैक पढ़ा और बताया कि हम त्याग समर्पण के साथ सीख रहें है और एक उत्कृष्ट वातावरण देखकर अनुभव कर रहें कि यह प्रशिक्षण कार्य वास्तव हम सभी के जीवन में अपना योगदान करेगा। महाविद्यालय के ई0डी0पी0 फैकल्टी डॉ0 रेखा मेहता ने सभी को होम डेकोरेशन, कूकिंग, क्राफटिंग व ब्युटी कल्चर के की विविध कलाओं के बारे में प्रशिक्षण दिया। डॉ रेखा मेहता के द्वारा ऐपण कला, सिलाई मेंहदी कला, पेंटिंग बनाना, श्रृगांर डिजाइन, संगीत कला के क्षेत्र में कैरियर आदि के साथ लोहाघाट की कुंजा आर्टस की कला, उद्यम व आय अर्जन के तरीके समझाये गये। नोडल अधिकारी डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता के द्वारा मानवीय तथा गैरमानवीय पूंजी के बारे में जानकारी देते हुए उद्यम करने, जॉब क्रियेटर बनने, लिंक बनाकर व्यवसाय प्रारम्भ कर आगे बढ़ने, कैब उबर, ओला आदि का उदाहरण देकर अल्प पूंजी से समाज में नवाचार कर स्टार्टअप प्रारम्भ करने जैसे विन्दुओं पर प्रशिक्षण दिया। साथ ही जोखिम लेने, आर्थिक सहायता के विषयों पर प्रकाश डाला। प्रधानमन्त्री मुद्रा लोन के माध्यम से ऋण के बारे में जानकारी दी। साथ ही सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, इस्टाग्राम, यूट्यूब पर अपने प्रोडक्ट के प्रस्तुतिकरण, संवर्धन, प्रचार प्रसार करने के तरीकों के बारे में जानकारी देते हुए अपने उद्यम/व्यवसाय/स्टार्टअप को प्रारम्भ करने, आय अर्जन, जॉब देने के बारे में प्रशिक्षण दिया। दे0भू0उ0 के फैकल्टी सदस्य श्री संजय गंगवार के द्वारा प्रधानमन्त्री विश्वकर्मा योजना के प्रोसेस व लाभ पर संक्षिप्त प्रकाश डाला गया। इसी क्रम में समस्त फीडबैक को समाहित करते हुए देवभूमि उद्यमिता के फैकल्टी सदस्य श्री अतुल कुमार मिश्र के द्वारा संस्कृति व उद्यम पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही अनुशासन, व्यवहारिक आचरण कर अपने उद्यम/व्यवसाय को प्रारम्भ करने व आगे बढ़ाने की विधियों के बारे में बताया गया। अन्तिम सत्र में पंकज तिवारी ने उद्यम व व्यवसाय के विविध रूप समझायें। प्राचार्य डॉ0 अजिता दीक्षित के मार्गदर्शन में डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता, श्री अतुल कुमार मिश्र व श्री पंकज तिवारी के द्वारा ई0डी0पी0 प्रशिक्षण का किट वितरण का कार्य सम्पन्न हुआ, प्राचार्य ने सभी को शुभकामनाएं दी। फोटोग्राफी व वीडियों बनाने के कार्य में भागीरथी भट्ट, लक्ष्मण सिंह, ओमप्रकाश व गीता भट्ट ने सहयोग किया। रिर्पोटिंग कार्य में नीमा भट्ट व बबिता चौहान ने अपना योगदान किया। दोपहर में प्रशिक्षुओं व प्रशिक्षकों को लन्च उपलब्ध कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री दशरथ बोहरा, श्री विजय कुमार मौर्य व प्रशिक्षु श्री महेश लाल, श्री दिनेश

चन्द्र सिंह रावत, ने भी आवश्यक सहयोग किया। इस दौरान श्री हरीश चन्द्र जोशी भी उपस्थित होकर अपना महत्वपूर्ण योगदान किये।

डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता
नोडल अधिकारी, देवभूमि उद्यमिता योजना
राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी (चम्पावत)

प्राचार्य
डॉ0 अजित दीक्षित
राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी (चम्पावत)